अनुबंध – V

प्राथमिकता-प्राप्त क्षेत्र के लक्ष्य की उपलब्धि – कमी/अधिकता की गणना

उदाहरण :

प्राथमिकता-प्राप्त क्षेत्र को उधार पर संशोधित दिशानिर्देशों के अंतर्गत वित्तीय वर्ष के अंत में प्राथमिकता-प्राप्त क्षेत्र के लक्ष्य की उपलब्धि – कमी/अधिकता की गणना के लिए अपनाई जानेवाली पद्धति का उदाहरण टेबल संख्या 1 और 2 में प्रस्तुत है।

(टेबल 1)

राशि ₹ करोड़ में

समाप्त तिमाही	पीएसएल लक्ष्य (क)	प्राथमिकता-प्राप्त क्षेत्र - बकाया राशि (ख)	एमडी के पैरा 8 के अनुसार पहचान किए गए जिलों को वृद्धिशील क्रेडिट पर भारांक के लिए समायोजन (ग)	कमी/अधिकता (ख)+(ग)-(क)
जून	329615	316938	1625	-11052
सितंबर	308826	311945	-810	2309
दिसंबर	317694	319291	-819	778
मार्च	324560	321347	2925	-288
कुल	1280695	1269521	2921	-8253
औसत	320174	317380	730	-2063

(टेबल 2)

राशि ₹ करोड़ में

समाप्त तिमाही	पीएसएल लक्ष्य (क)	प्राथमिकता-प्राप्त क्षेत्र - बकाया राशि (ख)	एमडी के पैरा 8 के अनुसार पहचान किए गए जिलों को वृद्धिशील क्रेडिट पर भारांक के लिए समायोजन (ग)	कमी/अधिकता (ख)+(ग)-(क)
जून	329615	327967	1500	-148
सितंबर	308826	312378	-729	2823
दिसंबर	317694	327225	975	10506
मार्च	324560	321315	-765	-4010
कुल	1280695	1288885	981	9171
औसत	320174	322221	245	2293

टेबल – 1 में दिए गए उदाहरण में वित्त वर्ष के अंत में बैंक में समग्र कमी ₹2063 करोड़ की है। टेबल – 2 में वित्तीय वर्ष के अंत में बैंक में समग्र अधिकता ₹2293 करोड़ की है।

पैरा 8 के अनुसार चिन्हित जिलों में वृद्धिशील ऋण पर भारांक के कारण समायोजन, स्वचालित डाटा निष्कर्षण परियोजना (एडीईपीटी) में बैंकों द्वारा प्रस्तुत आंकड़ों के अनुसार होगा। प्राथमिकता-प्राप्त क्षेत्र के उप-लक्ष्यों की तिमाही और वार्षिक उपलब्धि की गणना के लिए इसी पद्धति का पालन किया जाएगा।

नोट: प्राथमिकता-प्राप्त क्षेत्र के लक्ष्य/उप-लक्ष्य की उपलब्धि की गणना, एएनबीसी अथवा तुलन-पत्र से इतर एक्सपोजर के सममूल्य राशि का ऋण, इनमें से पूर्ववर्ती वर्ष की तदनुरूपी तारीख को जो भी अधिक हो, के आधार पर की जाएगी।